International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 04, No. 03(I), July - September, 2022, pp. 162-163

गठबंधन की राजनीति

डॉ. शकीला नकवी*

प्रस्तावना

गठबंधन की राजनीति आमतौर पर विश्व के अधिकतर देशों में पाई जाती है। जर्मनी, आयरलैण्ड, इटली, जापान, तुर्की, इजरायल, न्यूजीलैण्ड, पाकिस्तान, भारत। गठबंधन का अर्थ है– साथ–साथ चलना और साथ–साथ विकास करना।

भारत में भी गठबंधन की राजनीति प्राचीनकाल से पाई जाती है। महाभारत युद्ध के समय अधिकांश जनपद या तो कौरवों के साथ थे या पाण्डवों के साथ। 1935 के भारत सरकार अधिनियम के प्रावधानानुसार भारत में पहली गठबंधन सरकार पण्डित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में 1937 में अस्तित्व में आयी। भारतीय संविधान में संघात्मक शासन प्रणाली अपनाई गई। इस शासन में केन्द्र के साथ राज्यों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। गठबंधन सरकारों में राष्ट्रीय दलों के साथ क्षेत्रीय दलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

स्वतंत्र भारत में केन्द्र में प्रथम गठबंधन 1977 में हुआ। प्रथम गैर कांग्रेसी सरकार मोरार जी देसाई नेतृत्व में बनी जो जनता सरकार कहलाई। द्वितीय गठबंधन सरकार 1979 में चरणसिंह के नेतृत्व में आई। ये भारत के ऐसे प्रधानमंत्री थे जिन्होंने संसद में बहुमत साबित करने से पूर्व ही इस्तीफा दे दिया।

तृतीय गठबंधन दिसम्बर 1989 में प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में अस्तित्व में आया।

चतुर्थ गठबंधन सरकार चंद्रशेखर के नेतृत्व में बनी। जो कांग्रेस (1) अन्ना डी.एम.के.,बी.एस.पी., मुस्लिम लीग, श्र–ज्ञ नेशनल कांफ्रेंस शिरोमणी अकाली दल इत्यादि अनेक दलों ने समर्थन दिया। चन्द्रशेखर ने 66 सांसदों के साथ जनता दल से अलग होकर कांग्रेस के बाहरी समर्थन से सरकार बनाई।[1] पंचम गठबंधन सरकार एच.डी. देवेगोड़ा ने कांग्रेस, सी.पी.आई, समाजवादी पार्टी, द्रविडत्र मुनेत्र कड़गम, असम गण परिषद इत्यादि तेरह दलों के समर्थन से निर्मित की।

छठा गठबंधन आई. के. गुजराल ने अप्रेल 1997 से मार्च 1998 तक बनाया। सातवाँ गठबंधन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 19 मार्च 1998 से 10 अक्टूबर 1999 तक रहा। यह गठबंधित सरकार क्षेत्रीय दलों की लंबी मांगों को नहीं झेल सकी। 1999 में जयललिता ने सरकार से समर्थन वापिस लिया और सरकार पराजित हो गई।[2]

आठवाँ गठबंधन तेरहवीं लोकसभा चुनाव के बाद अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में 11 अक्टूबर 1999 से 31 मई 2004 तक रहा। बीजेपी के नेतृत्व में बनी NDA सरकार को 24 दलों का समर्थन था। जो स्थाई व मजबूत गठबंधन था।

---

* सह आचार्य, राजनीति विज्ञान, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, टोंक, राजस्थान।

नवाँ गठबंधन मई 2004 में डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने राष्ट्रीय लोकदल, जम्मू कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस, केरल कांग्रेस से मिलकर बनाया तथा बाहय समर्थन देने वाले समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल।[3]

दसवाँ गठबंधन UPA 2 मई 2009 में डॉ मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री काल में हुआ। इसमें कांग्रेस को बहुमत प्राप्त करने में केवल 10 सीटें कम थी। कांग्रेस के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल इत्यादि के बाहय समर्थन से अस्तित्व में आई।

15वीं लोकसभा चुनाव में आपराधिक प्रवृतियों में लिप्त राजनेता बढ़ें। 150 सांसद आपराधिक मामलों में लिप्त थे। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के 42 सांसद और कांग्रेस के 41 सांसद आपराधिक मामलों में लिप्त थे।

16वीं लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में NDA 1 गठबंधन सरकार अस्तित्व में आयी।[4] इस चुनाव में मोदी लहर एवं मीडिया लहर की प्रमुख भूमिका थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला।[5] नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्री काल में अनेक सख्त फैसले लिए।

17वीं लोकसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुमत से जीतकर NDA 2 गठबंधन सरकार का गठन किया।[6]

इस प्रकार हम गठबंधन की राजनीति पर दृष्टिपात करें तो देखते है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में न केवल केन्द्र में बल्कि राज्यों में भी गठबंधन सरकारें समय–समय पर देखने को मिलती है। केरल, पश्चिमी बंगाल, जम्मू कश्मीर, बिहार, झारखण्ड इत्यादि में ऐसा होता है।

वर्तमान समय में गठबंधन सरकारों में राष्ट्रीय सुरक्षा एवं शक्ति इत्यादि समस्त विशेषताएँ पाई जाती है। NDA-1 UPA-1 UPA-2 NDA2 गठबंधित सरकारें स्थाई एवं सफल संचालित रही है। गठबंधन सरकारें लोकतंत्र को अधिक लोकतांत्रिक बनाती है। यह सरकारें देश की अधिकाधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. अटल बिहारी वाजपेयी गठबंधन की राजनीति, संपादक घटाटे, डॉ. ना.म., प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2009, पृष्ठ 9
2. उपर्युक्त, पृष्ठ 10
3. एक विशिष्ट व्यक्तित्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, वीर बी.एस., सेठी, प्रो. सुरिन्द्र वीर सिंह एवं सोढ़ी, रविन्द्र सिंह, भारती श्री प्रकाशन, दिल्ली, 2005, पृष्ठ 131

4- Making sense of MODI'S INDIA, Desai, Meghad, Desai, Radhika, Shruti, Kapila, Devji, Faisal, Hasan, Zoya, Sarwar, Beena, Pandey, Gyanendra, Harper collivs Publishens Utter Pradesh, India Page 7, 2016

5. 'भारत के प्रधानमंत्री, सिंह, डॉ मनवीर, विश्व भारती पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2020 पृष्ठ 261 एवं
6. नरेन्द्र मोदी Censord, श्री वास्तव अशोक, अनिल प्रकाशन दिल्ली
7. नरेन्द्र मोदी, देश के 15वें प्रधानमंत्री, गुप्ता पीयूष, न्यू साधना पॉकेट बुक्स, दिल्ली, 2020 पृष्ठ 193

❖◆❖